भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 310

दिनांक 03 फरवरी, 2023 को उत्तर के लिए

पोषण अभियान के अंतर्गत लाभार्थी

310. श्रीमती भावना गवली (पाटील):
श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकरः

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पोषण अभियान हेतु वर्ष 2009-10 से 2021-22 तक कितना बजटीय आवंटन और व्यय किया गया है;
(ख) पोषण अभियान के अंतर्गत वर्ष 2018 से दिसम्बर 2021 तक लाभान्वित बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की संख्या कितनी है;
(ग) क्या राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 चरण-1 में 16 राज्यों में अल्प वजन वाले बच्चों और 12 राज्यों में गंभीर रूप से कमजोर बच्चों की संख्या में वृद्धि होने की सूचना प्राप्त हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,
(घ) कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए मिशन पोषण के अंतर्गत लक्षित जिलों/आकांक्षी जिलों की महाराष्ट्र, दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव सहित राज्य-वार संख्या कितनी है;
(ङ) क्या वर्ष 2021-22 में मिशन पोषण के लिए किया गया आवंटन पूर्व की योजनाओं की तुलना में कम है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(च) इस अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और इसकी समय-सीमा क्या है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) : पोषण अभियान मार्च ,2018 में शुरू किया गया था। वित्तीय वर्ष 2017-18 से वित्त वर्ष 21-22 तक योजना के तहत किए गए बजटीय आवंटन इस प्रकार हैं:

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	**वर्ष**	**बीई**
1.	**2017-18**	1500.00
2.	**2018-19**	3000.00
3.	**2019-20**	3400.00
4.	**2020-21**	3700.00
5.	**2021-22**	20105.00*

** मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत स्कीम को संरेखित किया गया।

स्कीम के शुभारंभ के बाद से वित्त वर्ष 2021-22 तक पोषण अभियान के तहत 5256.97 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2. (मिशन पोषण 2.0) के रूप में मिशन पोषण 2.0 के लिए 20105.00 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के साथ स्कीम को आंगनवाड़ी सेवाओं और किशोरियों के लिए स्कीम के साथ जोड़ा गया था।

(ख) : पोषण ट्रैकर के तहत 10.10 करोड़ लाभार्थियों (31-12-2022 तक)को पंजीकृत किया गया है। विवरण निम्नानुसार हैं:

कुल लाभार्थी	स्तनपान कराने वाली माताएं	गर्भवती महिलाएं	बच्चे (0-6माह)	बच्चे (6माह-3 वर्ष)	बच्चे (3y-6 वर्ष)	किशोरियां (14-18 वर्ष)
10,10,50,463	**52,41,440**	**80,40,215**	**45,95,834**	**4,06,33,040**	**4,25,39,934**	**18,11,961**

(ग) : एनएफएचएस 5 (2019-21) के पहले चरण के सर्वेक्षण के निष्कर्षों के अनुसार, 16 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों ने कम वजन और गंभीर रूप से कमजोर बच्चों (एसएएम) के प्रसार में वृद्धि की सूचना दी। ब्यौरा **अनुलग्नक- I** में हैं। हालांकि, एनएफएचएस-5 (2019-21) की अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। दुबलापन 21% (एनएफएचएस-4) से घटकर 19.3% (एनएफएचएस-5) हो गया है, अल्पवजन 35.7% (एनएफएचएस-4) से घटकर 32.1% (एनएफएचएस-5) हो गया है और ठिगनापन 38.4% (एनएफएचएस-4) से सुधर कर 35.5% (एनएफएचएस-5) हो गया है।

(घ) : सभी 112 आकांक्षी जिलों सहित सभी 36 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को मिशन पोषण 2.0 के तहत शामिल किया गया है। महाराष्ट्र, दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव सहित जिलों की राज्य-वार संख्या **अनुलग्नक- II** में दी गई है।

(ड.) : वर्ष 2020-21 के लिए, आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों के लिए स्कीम वाली स्कीमों के लिए बजट आवंटन 24,482 करोड़ रुपये था और संशोधित बजट आवंटन 17,902.31 करोड़ रुपये था। 2021-22 में, युक्तिकरण के बाद, इन तीन स्कीमों को 'सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' के तहत संरेखित किया गया, जिसमें 20,105 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान था, जो कि संशोधित बजट आवंटन 17,902.31 करोड़ रुपये से 12.3% अधिक है।

(च) : आंगनवाड़ी सेवाओं के पूरक पोषण कार्यक्रम और पोषण अभियान के प्रयासों को 'सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' (मिशन पोषण 2.0) के तहत संरेखित किया गया है, जो पोषण सामग्री और वितरण में एक कार्यनीतिक बदलाव और स्वास्थ्य, सलामती और प्रतिरक्षा का पोषण करने वाली प्रथाओं को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए एक अभिसरण पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण के माध्यम से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना प्रयास करता है। पोषण 2.0 के तहत, आहार विविधता, खाद्य पौष्टिकता और बाजरा के उपयोग को लोकप्रिय बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पोषण 2.0 के तहत पोषण जागरूकता कार्यनीतियों का उद्देश्य आहार संबंधी अंतराल को पाटने के लिए संपूर्ण स्थानीय खाद्य पदार्थों के माध्यम से स्थायी स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती का विकास करना है।

आंगनवाड़ी मंच में आहार विविधीकरण सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों, जैसे गहरे हरे पत्ते वाली सब्जियां, दाल और विटामिन सी से भरपूर फलों के सेवन को प्रोत्साहित करता है। गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं सहित लाभार्थियों के लिए पूरक पोषण कार्यक्रम के तहत राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य सामग्री जैसे, फोर्टिफाइड गेहूं का आटा, फोर्टिफाइड चावल, डबल फोर्टिफाइड नमक और फोर्टिफाइड खाद्य तेल का उपयोग करने की सलाह दी गई है। आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के कारण होने वाली महिलाओं और बच्चों में कुपोषण और एनीमिया को कम करने के लिए, आंगनवाड़ी सेवाओं के पूरक पोषण कार्यक्रम के तहत, फोर्टिफाइड चावल को 21 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही के दौरान आवंटित किया गया था और वित्त वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही से सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को केवल फोर्टिफाइड चावल आवंटित किया

जा रहा है। अब तक, इस मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2021-22 में 731962 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल और वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही तक 938207 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को आवंटित किया है।

इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी में गर्म पका हुआ भोजन और टेक होम राशन तैयार करने के लिए बाजरा के उपयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है, क्योंकि बाजरा में उच्च पोषक तत्व होते हैं जिनमें प्रोटीन, आवश्यक वसा, एसिड, आहार फाइबर, बी-विटामिन, खनिज जैसे कैल्शियम, लोहा, जस्ता, फोलिक एसिड और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल होते हैं इस प्रकार महिलाओं और बच्चों में एनीमिया और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से निपटने में मदद करते हैं। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 दिशानिर्देशों के अनुसार, बाजरा को सप्ताह में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से आपूर्ति की जानी चाहिए और टेक होम राशन (कच्चा राशन नहीं) और गर्म पका हुआ भोजन एक स्वादिष्ट रूप में एकीकृत किया जाना चाहिए।

मिशन पोषण 2.0 को 15 वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के दौरान कार्यान्वित किया जाएगा

******

<u>अनुलग्नक- I</u>

'पोषण अभियान के अंतर्गत लाभार्थी' विषय पर श्रीमती भावना गवली (पाटील) और श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर द्वारा 03.02.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 310 क भाग(ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस -5 सर्वे डेटा 5 साल से कम उम्र के बच्चों में कम वजन, ठिगनापनग, दुबलापन और गंभीर दुबलापन					
क्र.सं.	राज्य	अल्प वजन (5 वर्ष से कम)		गंभीर दुबलापन (5 वर्ष से कम)	
		एनएफएचएस-4 (2015-16)	एनएफएचस-5 (2019-21)	एनएफएचए-4 (2015-16)	एनएफएचए-5 (2019-21)
1	अंडमान और निकोबार	21.6	**23.7**	7.5	4.8
2	आंध्र प्रदेश	31.9	29.6	4.5	**6.0**
3	असम	29.8	**32.8**	6.2	**9.1**
4	बिहार	43.9	41	7.0	**8.8**
5	दादरा नगर हवेली और दमन और दीव	35.8	**38.7**	11.5	4.3
6	गोवा	23.8	**24**	9.5	7.5
7	गुजरात	39.3	**39.7**	9.5	**10.6**
8	हिमाचल प्रदेश	21.2	**25.5**	3.9	**6.9**
9	जम्मू और कश्मीर	16.6	**21**	5.6	**9.7**
10	कर्नाटक	35.2	32.9	10.5	8.4
11	केरल	16.1	**19.7**	6.5	5.8
12	लक्षद्वीप	23.4	**25.8**	2.9	**8.7**
13	लद्दाख	18.7	**20.4**	5.1	**9.1**
14	महाराष्ट्र	36	**36.1**	9.4	**10.9**
15	मणिपुर	13.8	13.3	2.2	**3.4**
16	मेघालय	29	26.6	6.5	4.7
17	मिजोरम	11.9	**12.7**	2.3	**4.9**
18	नगालैंड	16.8	**26.9**	4.2	**7.9**
19	सिक्किम	14.2	13.1	5.9	**6.6**
20	तेलंगाना	28.5	**31.8**	4.8	**8.5**
21	त्रिपुरा	24.1	**25.6**	6.3	**7.3**
22	पश्चिम बंगाल	31.5	**32.2**	6.5	**7.1**

अनुलग्नक- **II**

'पोषण अभियान के अंतर्गत लाभार्थी' विषय पर श्रीमती भावना गवली (पाटील) और श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर द्वारा 03.02.2023 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 310 क भाग(ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

पोषण अभियान के तहत कवर किए गए जिलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार संख्या का ब्यौरा

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	**जिलों की संख्या**
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	3
आंध्र प्रदेश	13
अरुणाचल प्रदेश	26
असम	35
बिहार	38
छत्तीसगढ	28
दादरा और नगर हवेली - दमन और दीव	3
दिल्ली	11
गोवा	2
गुजरात	33
हरियाणा	22
हिमाचल प्रदेश	12
जम्मू और कश्मीर	20
झारखंड	24
कर्नाटक	30
केरल	14
लद्दाख	2
लक्षद्वीप	1
मध्य प्रदेश	52
महाराष्ट्र	36
मणिपुर	16
मेघालय	11
मिजोरम	8
नागालैंड	11
ओडिशा	30
पुद्दुचेरी	4
पंजाब	22
राजस्थान	33
सिक्किम	4
तमिलनाडु	38
तेलंगाना	33
त्रिपुरा	8
यूटी-चंडीगढ़	1
उत्तर प्रदेश	75
उत्तराखंड	13
पश्चिम बंगाल	23
कुल योग	**735**

****